Regarding need to provide special package for expansion of warehouse facilities for storage of food-grains in Chhattisgarh-Laid

श्रीमती रूपकुमारी चौधरी (महासमुन्द) **:** मैं सरकार का ध्यान एक अत्यंत गंभीर समस्या की ओर आकर्षित करना चाहती हूँ । छत्तीसगढ़, जिसे देश का धान का कटोरा कहा जाता है, आज भी वैज्ञानिक भंडारण अवसंरचना के अभाव में भारी खाद्यान्न क्षति झेल रहा है । वर्ष 202324 में लगभग 25,93,880 क्विंटल (2.59 ला ख ट न) धान खुले में पड़े-पड़े नष्ट हुआ, जिसकी कीमत 1,037 करोड़ रुपये से अधिक है । यह नुकसान किसानों की मेहनत पर सीधा प्रहार है और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है । राज्य में उपलब्ध वेयरहाउस क्षमता धान उत्पादन की तुलना में अत्यंत कम है, जिससे हर वर्ष लाखों टन धान बारिश, नमी और कीट प्रकोप के कारण खराब हो जाता है । यद्यपि केंद्र सरकार GBY और AIF के तहत सहायता प्रदान करती है, परंतु प्रदेश की आवश्यकता इससे कहीं अधिक है । अतः अनुरोध है कि छत्तीसगढ़ के लिए विशेष पैकेज के अंतर्गत वैज्ञानिक भंडारण क्षमता का त्वरित विस्तार, GBYAIF में अतिरिक्त प्रोत्साहन, तथा 2025 ला ख ट न नई भंडारण क्षमता हेतु केंद्रीय आवंटन सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसानों की उपज सुरक्षित रहे और खाद्यान्न हानि रोकी जा सके ।